



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 110]
No. 110]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 31, 1978/चैत्र 10, 1900
NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 31, 1978/CHAITRA 10, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1978

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा० का० नि० 210(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 71/78-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1978 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में,—

- (1) शर्त (ख) के स्थान पर, निम्नलिखित शर्तें रखी जाएंगी, अर्थात् :—
“(कक) जहां कि विनिर्माता ने पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में किसी विनिर्दिष्ट माल की निकासी नहीं की है या पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में पहली अगस्त को या उसके पश्चात् पहली बार ऐसे किसी माल की निकासी की है वहां, इस अधिसूचना में दी गई छूट उस विनिर्माता को तभी लागू होगी जब वह सहायक केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क कलक्टर के पास इस आशय का घोषणा-पत्र फाइल करे कि ऐसे माल का, जिसकी निकासी वित्तीय वर्ष के दौरान की गई है, एकल मूल्य पन्द्रह लाख रुपये से अधिक होने की संभावना नहीं है ; और ऐसे माल का, जिसकी

निकासी वित्तीय वर्ष में की गई है, सकल मूल्य पन्द्रह लाख रुपये से अधिक न हो ;

(ख) यथास्थिति, किसी वित्तीय वर्ष के दौरान या शर्त (क) या शर्त (कक) में विनिर्दिष्ट अवधियों के दौरान की गई निकासियों का सकल मूल्य उक्त सारणी के प्रत्येक क्रम सं० की बाबत अलग-अलग संगणित किया जाएगा और ऐसे प्रत्येक क्रम सं० की बाबत उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में उक्त क्रम सं० के सामने विनिर्दिष्ट सभी माल का सकल मूल्य गणना में लिया जाएगा”

- (2) स्पष्टीकरण 1 के स्थान पर, निम्नलिखित स्पष्टीकरण रखा जाएगा, अर्थात् :—

“स्पष्टीकरण 1—इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए ‘मूल्य’ शब्द से या तो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 4 के उपबन्धों के अनुसार अवधारित मूल्य या, यथास्थिति, उक्त अधिनियम की धारा 3 के अधीन नियत किए गए या परिवर्तित किए गए टैरिफ मूल्यों के अनुसार अवधारित मूल्य अभिप्रेत है।”

2. यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1978 को प्रवृत्त होगी।

(91/78)

[बी-23/6/78-डी भार 4]

भार० के० चन्द्र, अधवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st March, 1978

CENTRAL EXCISE

G.S.R.210(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 71-78-Central Excises, dated the 1st March, 1978, namely:—
In the said notification,—

- (1) for condition (b), the following conditions shall be substituted, namely:—

“(aa) Where a manufacturer has not cleared any specified goods in the preceding financial year, or has cleared any such goods for the first time on or after the 1st day of August in the preceding financial year, the exemption contained in this notification shall be applicable to such manufacturer if he files a declaration with the Assistant Collector of Central Excises that the aggregate value of such goods cleared during the financial year is not likely to exceed Rs. 15 lakhs and the aggregate value of such goods

cleared during the financial year does not exceed Rs. 15 lakhs;

- (b) the aggregate value of clearances made during any financial year or, as the case may be, during the periods specified in condition (a) or in condition (aa), shall be computed separately in respect of each serial number of the said Table and in respect of each such serial number, the aggregate value of all the goods specified in column (3) of the said Table against the said serial number, shall be taken into account;”;
- (2) for Explanation I, the following Explanation shall be substituted, namely :—

“Explanation I—For the purposes of this notification, the expression ‘value’ means either the value as determined in accordance with the provisions of section 4 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) or, as the case may be, according to the tariff values fixed or altered under section 3 of the said Act.”

- 2 This notification shall come into force on the 1st day of April, 1978.

[91/78]

[F. No. B. 23/6/78-TR4]

R. K. CHANDRA, Under Secy